फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 72 संख्याः 145 प्रभात जयपुर, शनिवार 25 दिसम्बर, 2021 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

ARBiT TODAY

The Lost Tomb of Jesus

In remote Himalayas there still lives a tribe that is considered to be the descendants of one of the ten 'lost tribes of Israel' who consider Jesus as their Youza.

Festivities: Underwater Christmas Tree

कड़ाके की ठंड के बाद गर्म पानी में नहाने या स्पा की सुविधा मिल जाए, तो किसे अच्छा नहीं लगेगा। लेकिन कमाल की बात है कि बंदर भी इसका लुत्फ उठाते हैं। जापान में जंगली बंदरों की एक प्रसिद्ध टोली है जिसे गरम पानी के चश्मों में रिलैक्स करना अच्छा लगता है। दशकों से पर्यटकों को आनंदित करने वाले, बंदरों के इस दिलचस्प लक्षण का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों ने पाया कि, ये बंदर कड़ाके की ठंड में ना केवल गर्मी पाने के लिए गर्म पानी में डुबकी लगाते हैं, बल्कि इससे बंदरों के मस्तिष्क में स्ट्रैस हारमोन का स्तर भी कम होता है। गत विन्टर ओलंपिक्स जिस स्थान पर आयोजित हुए थे, उसके पास है नागानो टाउन। यहाँ जैपनीज़ मैकॉक ऐसा ही अजीब व्यवहार करते हैं। भारत और चीन में बंदरों के नहाने के नज़ारे बेहद आम हैं लेकिन सिर्फ नागानो ही ऐसी जगह है जहां बंदर गर्म पानी में नहाते रिकॉर्ड किए गए हैं। अन्य मैकॉक नागानो की तुलना में और ज्यादा उत्तर में रहते हैं, इसलिए यह स्पष्ट है कि उन्होंने ठंडे मौसम से अनुकूलन कर लिया है। वहाँ गर्म पानी के कई प्राकृतिक चश्मे हैं, फिर भी, पानी का 140 डिग्री फैरनहाइट तापमान बहुत ही ज्यादा है। आस-पास के होटल वाले मेहमानों के लिए पूल में ठंडा पानी मिलाते हैं। सन् 1963 में ऐसे ही एक पूल में एक मादा बंदर को रिलैक्स करते देखा गया था। बाद में तो होटलों के पूल में बंदरों का आना बहुत बढ़ गया। जिससे लोगों के स्वास्थ्य को खतरा होने का डर हो गया। इसलिए पास में ही एक पार्क बनवाया गया जिसमें, विशिष्ट रुप से बंदरों के लिए ही 104 डिग्री तापमान वाले गरम पानी के कई पूल हैं। गर्म पानी में नहाना ठंड लगने का रामबाण इलाज तो है ही पर वैज्ञानिकों ने हाल ही में कई टैस्ट किए यह जानने के लिए कि क्या इस अनोखे व्यवहार के पीछे कोई अन्य प्रेरक तत्व भी हैं। वानरों के मजबूत सामाजिक बंधन को देखते हुए वैज्ञानिकों को आश्चर्य नहीं हुआ, जब उन्होंने पाया कि गर्म चश्मों में नहाने के बाद वानरों के मल में, स्ट्रैस हारमोन ग्लूकोकॉर्टिकॉइड, का स्तर काफी कम था, जो कि ठण्डे मौसम में बढ़ जाता है।

अशोक गहलोत उत्तराखण्ड के वरिष्ठ ''प्रभारी'' बनेंगे

इस नियुक्ति का सीधा अर्थ है, गहलोत उत्तराखण्ड के चुनाव का खर्चा वहन करेंगे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को उत्तराखण्ड का वरिष्ठ पर्यवेक्षक बनाए जाने की संभावना है, जहां वे संभवतया कांग्रेस के हितों को देखेंगे, जिसका अर्थ होगा कांग्रेस को चुनाव लड़ने के लिए पर्याप्त मात्रा में फण्ड्स उपलब्ध करवाना।

ज्ञातव्य है कि गहलोत को केरल का भी वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया था, जहां पार्टी को कड़ी हार का सामना करना पड़ा था और वाम मोर्चे की सरकार राज्य में फिर से काबिज हो गई थी, जबकि केरल की परम्परा यह रही है कि यहां एक बार कांग्रेस और फिर वाम दल सत्ता में काबिज होते आए हैं।

पार्टी की अंदरूनी स्थिति को लेकर अपने कई ट्वीट्स में गुस्सा और चिंता व्यक्त कर चुके पार्टी के सीनियर नेता हरीश रावत ने आज राहुल गांधी से मुलाकात की और उसके बाद वे देहरादून लौट गए।

यह स्मरण होगा कि रावत को चार माह पूर्व पार्टी की प्रचार कमेटी का चेयरमैन नियुक्त किया गया था और अब वे उसी ओहदे के साथ पुनः देहरादून लौटे हैं।

रावत चाहते हैं कि उन्हें चुनाव का प्रमुख चेहरा बनाने की घोषणा की जाए और मुख्यमंत्री के रूप में प्रोजैक्ट किया जाए या कम से कम ऐसा ही कोई आश्वासन अंदर ही अंदर दे दिया जाए, लेकिन सूत्र बताते हैं कि उनसे यह कहा गया है कि पहले वे राज्य में पार्टी को जिताकर लाएं तथा बाकी बातों पर उसके बाद विचार किया जाएगा।

पार्टी के सीनियर नेताओं का कहना है कि कुल मिलाकर यह अध्याय अभी समाप्त होने वाला नहीं है तथा आगे और नौटंकी हो सकती है।

उत्तराखण्ड में कांग्रेस को एक बड़ी बढ़त मिली हुई है जबकि भाजपा को अपनी यथास्थिति बनाए रखने के लिए संघर्ष करते देखा जा रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जैसा कि विदित ही है, गहलोत को केरल का ''वरिष्ठ प्रभारी'' नियुक्त किया गया था, केरल के चुनाव के दौरान। पर वहां कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, पुरानी ''परम्परा'' के अनुसार केरल में कांग्रेस की सरकार बनाने की बारी थी। क्योंकि एक बार कांग्रेस और दूसरी बार मार्क्सवादी पार्टी की सरकार बनाने का क्रम रहा है केरल में।
- हालांकि, हरीश रावत ने बगावत के तेवर दिखाये थे उत्तराखण्ड में। परन्तु दिल्ली बुलाकर 150 मिनट लम्बी बैठक के बाद, हरीश रावत को वापस देहरादून भेज दिया गया, इस आश्वासन के साथ कि, पहले वे उत्तराखण्ड में पार्टी को जितवायें, उसके बाद उन्हें मु.मंत्री बनाने की प्रक्रिया शुरू की जायेगी।
- अब कांग्रेस में यह सवाल चर्चा में है कि, राहुल की प्राथमिकता क्या है, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रहित कांग्रेस बनायें या प्रदेश में पार्टी की सरकार बने।
- क्या राहुल उत्तराखण्ड में पंजाब का उदाहरण दोहराना चाहते हैं, क्योंकि वे उत्तराखण्ड में भी, वो ही अस्थिरता पैदा कर रहे हैं, जो पंजाब में पैदा की थी। वैसे भी पंजाब की भांति उत्तराखण्ड में भी कांग्रेस का पलड़ा भारी है।

'सुभाष चन्द्रा को विशेष सुविधाएं क्यों'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। कांग्रेस ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी पर आरोप लगाया कि वे व्यापारी से हरियाणा के राज्यसभा सांसद बने एवं जी टीवी व एस्सैल ग्रुप के अपने चहेते

- कांग्रेस ने कहा कि, सुभाष चन्द्रा द्वारा यस बैंक के 6,789 करोड़ रूपये ऋण अदा न करने से, यस बैंक डूब सा गया था तथा स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया आदि ने 11,760 करोड़ रूपये की राशि उपलब्ध कराकर यस बैंक को जीवित रखा, पर ऋण जमा न कराने वाले सुभाष चन्द्रा का न तो पासपोर्ट जब्त किया गया, न ही ई.डी. आदि की जांच हुई। सुभाष चन्द्रा के साथ यह विशेष बर्ताव क्यों?

71 वर्षीय डॉ. सुभाष चन्द्र गोयनका के हितों की रक्षा कर रहे हैं। पार्टी ने कहा कि सुभाष चन्द्रा की वजह से ही पिछले साल एक निजी बैंक ''यस बैंक लिमिटेड'' डूब गया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मिग-21 क्रैश

जैसलमेर, 24 दिसम्बर (नि.सं.)। जैसलमेर में पाक बॉर्डर के पास गंगा गांव स्थित डैजर्ट नैशनल एरिया में शुक्रवार को वायु सेना का एक मिग -21 विमान क्रैश हो गया। इस हादसे में पायलट हर्षित सिन्हा की मौत हो गई।

- जैसलमेर में हुई इस दुर्घटना में पायलट शहीद हुआ।

जानकारी के मुताबिक यह एरिया सुदासरी डैजर्ट नैशनल पार्क में है। यह एरिया मिलिट्री के कंट्रोल में है, इसलिए वहां किसी को जाने नहीं दिया जा रहा है। विमान लगभग साढ़े आठ बजे क्रैश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यू.पी. में चुनाव एक महीना आगे खिसकेंगे?

मुख्य चुनाव आयुक्त ने अगले सप्ताह की यू.पी. की अपनी यात्रा के बाद इस मुद्दे पर निर्णय लेने की इच्छा जाहिर की

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों को एक माह या अधिक के लिए स्थगित किया जा सकता है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट के इस सुझाव के बीच कि ओमक्रॉन के खतरे को देखते हुए चुनाव स्थगित किए जाएं, चीफ इलैक्शन कमिश्नर (सी.ई.सी.) सुशील चन्द ने इसके काफी कुछ संकेत देते हुए कहा कि वे अगले सप्ताह उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे। सी.ई.सी. ने कहा कि इस संबंध में कोई उचित निर्णय उनके उत्तर प्रदेश दौरे के बाद ही लिया जाएगा।

विश्व जहाँ, कोविड-19 की चौथी लहर का सामना कर रहा है, वहीं भारत में भी इसको लेकर गहरी चिन्ताएं हैं क्योंकि इसके नए ओमक्रॉन वैरिएंट के 258 केस सामने आ चुके हैं।

स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने आज कहा कि कोविड-19 के इस नए वैरिएंट को अधिक तेजी से प्रसार करने वाला माना जाता है, ''अतः हमें कोविड प्रोटोकॉल का समुचित पालन करते हुए सतर्क रहना है।''

उत्तर प्रदेश सरकार ने पूरे राज्य में 25 दिसम्बर से नाइट कर्फ्यू लागू करने का निर्णय लिया है, क्योंकि कोविड-19 के केस एक ही रात में डबल हो गए। शुक्रवार को 49 नए केस सामने आए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की है कि सामाजिक एवं विवाह कार्यक्रमों में अधिकतम दो सौ जनों के भाग लेने की ही अनुमति होगी। तथापि, राज्य सरकार के अधिकारी ने कहा कि यह निर्णय राजनीतिक कार्यक्रमों पर लागू नहीं होगा। उन्होंने कहा कि ''राजनीतिक रैलियों के लिए अब तक कोई विशिष्ट आदेश जारी नहीं हुए हैं, फिर भी लोगों को मास्क पहनने के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश शेखर कुमार यादव ने ओमक्रॉन के बढ़ते प्रकोप के संदर्भ में यू.पी. के चुनाव आगे खिसकाने का सुझाव दिया था।
- न्यायाधीश यादव पहले भी काफी चर्चित रहने वाली टिप्पणी करते रहे हैं। उदाहरण के लिये उन्होंने कहा कि, वैज्ञानिक मानते हैं कि गाय ही एक मात्र जानवर है, जो ऑक्सीजन छोड़ती है सांस लेते समय तथा गाय की सुरक्षा को हिन्दुओं के ''फण्डामैन्टल राइट्स'' (मौलिक अधिकारों) में शामिल किया जाये।

हरीश रावत के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जायेगा

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। उत्तराखंड के नाराज़ पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने शुक्रवार को राजनीति छोड़ने की धमकी तब वापस ले ली जब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने घोषित कर दिया की उत्तराखंड में हरीश रावत के नेतृत्व में ही पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेगी। हालांकि उन्हें मुख्यमंत्री पद का प्रत्याशी घोषित नहीं किया क्योंकि यह निर्णय आगामी विधानसभा चुनाव के बाद लिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राहुल गांधी ने हरीश रावत की अन्य शर्तें भी मानीं, प्रभारी देवेन्द्र यादव को उत्तराखण्ड से बाहर जिम्मेवारी देने का वादा किया, पर रावत विरोधियों की यह बात भी स्वीकार की कि, रावत को पूरी छूट नहीं मिलेगी टिकट वितरण में।

पांच बॉलीवुड एक्ट्रैस ई.डी. की जांच के दायरे में

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। एन्फोर्समैंट डायरैक्ट्रेट (ई.डी.) ने बॉलीवुड की 5 अभिनेत्रियों के ठग सुकेश चन्द्रशेखर से संबंध होना पाया है। इन्हें जल्दी ही सम्मन भेजा जाएगा।

इन्हें 200 करोड़ रू. के मनी लॉण्डरिंग केस में गवाह बनाया जाएगा। इन अभिनेत्रियों ने या तो कथित रूप से सुकेश से महंगे तोहफे लिए है या फिर वे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उसके सम्पर्क में रहीं हैं।

इन अभिनेत्रियों से पूछताछ की जाएगी यह जानने के लिए कि क्या वे सुकेश की वास्तविक पहचान के बारे में जानती थीं और उन्होंने सुकेश से महंगे तोहफे क्यों लिए थे। इनकी पहचान की पुष्टि नहीं हो सकी है।

ठग सुकेश चन्द्रशेखर, जिसे बालाजी के नाम से भी जाना जाता है, इस समय दिल्ली की तिहाड़ जेल में है। उस पर रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर शिवेन्द्र मोहन सिंह की पत्नी अदिति सिंह से जून 2020 और मई 2021 के बीच 200 करोड़ रू. की उगाही करने का आरोप है। लगभग एक साल पहले तक वह चेन्नई शानो-शौकत की ज़िंदगी जी रहा था। सी फेसिंग बंगला, फरारी और पोर्श जैसी महंगी कारों का काफिला था उसके पास। अक्सर वह बेहद अमीर लोगों को ही अपना निशाना बनाता था जिसमें नेता भी शामिल थे। इसके अलावा उच्च अधिकारियों को फंसाना और बॉलीवुड अभिनेत्रियों को रिझाना भी उसका प्रिय शौक रहा है।

नोरा फातेही और जैकलीन फर्नांडिस पहले से ही ई.डी. की जाँच के दायरे में हैं, उन्होंने सुकेश महंगे तोहफे लिए थे। दोनों अभिनेत्रियों से ई.डी. पूछताछ कर रहा है। जाँच में जब यह सामने आया कि सुकेश ने उन्हें करोड़ों रू. के महंगे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- ये सिने तारिकाएं पुराने ठग (कॉन मैन) चन्द्रशेखर के करीबी सम्पर्क में थीं।
- चन्द्रशेखर पर ई.डी. ने दो सौ करोड़ रूपये का ''मनी लॉण्डरिंग'' का मुकदमा चला रखा है। चन्द्रशेखर पर रैनबैक्सी कम्पनी के पूर्व मालिक शिवेन्द्र मोहन सिंह, अदिति सिंह से दो सौ करोड़ रूपये ऐंठने का आरोप है।
- बॉलीवुड की पांच सिने तारिकाओं पर चन्द्रशेखर से भारी बहु कीमती तोहफे लेने का मामला है। ई.डी. का आरोप है, यह तोहफे मनी लॉण्डरिंग पैसे का ही हिस्सा हैं।
- जैक्लीन फर्नांडिस पर आरोप है कि, उन्होंने चन्द्रशेखर से दस करोड़ रूपये के तोहफे प्राप्त किये तथा नोरा फतेही को चन्द्रशेखर ने एक बी.एम.डब्ल्यु. कार भेंट की थी।

नैशनल हाईवे पर दुकानों की तोड़-फोड़ की कार्यवाही रुकी!

हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि, नगर पालिका ने तोड़-फोड़ करने के आदेश विधिवत् तरीके से नहीं दिये

- यादवेन्द्र शर्मा -

जयपुर, 24 दिसंबर। राजस्थान हाई कोर्ट ने कोटपूतली तहसील में नगरपालिका मण्डल द्वारा तहसील के मास्टर प्लान 2011 को क्रियान्वित करने की आड़ में एक पट्टा धारी की इमारत को ''विधिक प्रक्रिया अपनाए बिना'' ही तोड़ फोड़ करने का नोटिस जारी करने के मामले में प्रशासन के इस आदेश पर रोक लगाई है।

इस मामले में हरी प्रसाद शर्मा ने याचिका दायर की थी, जिस पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश उमा शंकर शर्मा ने यह आदेश दिये हैं।

यहां हैरानी की बात यह है कि नगरपालिका के कार्यकारी अधिकारी ने कोटपूतली में करीब 500 दुकानों को 14 दिसंबर 2021 को नोटिस जारी किये थे, जिसमें कहा गया था कि उक्त क्षेत्र में, जो एन.एच. 8 से संलग्न रोड है, उस रोड को चौड़ा किया जायेगा।

नगरपालिका के नोटिस में आगे कहा गया था कि रोड को चौड़ा करने के लिए अतिक्रमण को हटाया जायेगा, इसलिए रोड के समीप भूखण्डों के मालिक या तो तीन दिन में अतिक्रमण को खुद ही तोड़ दें या अपने भूखण्डों के दस्तावेज़ नगरपालिका में प्रस्तुत करें। नोटिस में आगे लिखा था कि अगर इस आदेश की पालना नहीं हुई तो नगरपालिका सभी अतिक्रमण को तोड़ेगी और अतिक्रमणकारियों से इसमें होने वाला व्यय वसूलेगी। तत्पश्चात कई दुकानदारों ने अपने भूमि के पट्टे नगरपालिका में प्रस्तुत नहीं किये थे।

परंतु 23 दिसंबर को नगर पालिका ने एक नया प्रेस नोट जारी किया जिसके तहत कहा गया कि उक्त क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग में संलग्न रोड, जो पुरानी नगरपालिका तक जाती है उसे 80 फीट तक चौड़ा किया जायेगा और इस रोड से संलग्न रोड, जो शनि मंदिर तक जाती है उसे 60 फीट तक चौड़ा किया जायेगा। प्रेस नोट में आगे कहा गया था कि ''शहरी क्षेत्रवासी'' रास्ते में आने वाले स्थायी व अस्थायी निर्माण को स्वयं हटालें, नहीं तो नगरपालिका इस कार्य को स्वयं अंजाम देगी और इसके हर्जा-खर्चा की जिम्मेदारी भूखण्ड मालिकों की होगी।

इन दोनों नोटिसों को चुनौती देते हुए संविधान की धारा 226 के तहत, याचिकाकर्ता हरी प्रसाद शर्मा, ने उच्च न्यायालय में याचिका प्रस्तुत की। याचिकाकर्ता की ओर से यह याचिका अधिवक्ता सचिन बोरा ने प्रस्तुत की थी और पैरवी के लिए सीनियर अधिवक्ता कमलाकर शर्मा और उनके सहायक वकील मधुसूदन राजपुरोहित पेश हुए थे। अदालत ने कहा कि नगरपालिका ने विधिक प्रक्रिया अपनाये बिना और भूमि को अवाप्त किये बिना ही याचिकाकर्ता को नोटिस दिये और जिसके तहत उक्त भूमि पर तोड़ फोड़ की जाने वाली थी।

अदालत ने अपने आदेश में यह टिप्पणी की है कि नगरपालिका के नोटिस व सार्वजनिक सूचना में उक्त सड़क पर किसी भी प्रकार के अतिक्रमण का स्पष्ट उल्लेख नहीं है, जिस पर नगरपालिका कार्यवाही कर सकती है।

अदालत ने आदेश में कहा था कि पालिका द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों से साबित होता है कि उनके पिता उक्त क्षेत्र में 125.33 वर्गगज भूमि के स्वामी हैं, जिसमें से 71.33 स्कवायर यार्ड भूमि उनके पिता की थी और 54 वर्गगज भूमि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- गत गुरुवार को कोटपूतली नगर पालिका ने 500 दुकानों को चिन्हित कर तोड़-फोड़ करने के नोटिस दे दिये थे।
- गौरतलब है कि, नगरपालिका ने न तो यह स्पष्ट किया है कि अतिक्रमण किस भूमि या क्षेत्र पर है और न ही दुकानदारों से कोई भूमि अवाप्त की है। परंतु तोड़-फोड़ करने के नोटिस 500 दुकानदारों को दे दिये हैं।

चीन में असंतुष्ट!

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। चीन के हुनान प्रांत में एक ग्रामीण स्कूल में पढ़ाने वाली ली तीआनतीन गायब हो गई हैं। उसने अपने दोस्तों को बताया था कि पुलिस अधिकारी जबरन उसके घर में घुसे और उसे मनोचिकित्सालय ले गए।

सरकार के आलोचकों को मनोचिकित्सालय भेजना असंतोष को दबाने का पुराना तरीका है। रविवार को गायब हुई ली के बारे में प्रशासन ने मौन साध रखा है तथा न्यूयॉर्क टाइम्स से बार-बार आए फोन कॉल का भी उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

ली ने अपने दोस्तों को बताया था कि अधिकारियों ने उस पर आरोप लगाया है कि वे सोशल मीडिया पर सरकारी रूप से स्वीकृत टिप्पणी का उल्लंघन कर रही हैं। हाल ही में ली ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- चीन ने असंतुष्ट आलोचकों से निपटने का सीधा व सरल रास्ता अपनाया है, ''इन्हें पागलखाने भेज दो''।